positive partnerships

Working together to support school-aged students on the autism spectrum

देखी जा सकने वाली चीज़ों की सहायता लेना

Hindi - Visual Supports

देखी जा सकने वाली सहायता की चीज़ें (विज़ुअल सपोर्ट्स) क्या होती हैं?

विज़ुअल सपोर्ट्स हमारे रोज़मर्रा के इस्तेमाल की चीज़ें होती हैं जो हमारे आस-पास हर तरफ हैं। इनमें सड़कों पर मार्गदर्शक चिह्न, रेस्तराँ के बोर्ड, खाने का मीनू, कैलेंडर, ख़रीदारी की सूचियाँ आदि शामिल हैं।

जिस दुनिया में हम जीते हैं, उसे समझने के लिए हम अनेक शब्दों, चिह्नों, प्रतीकों, तस्वीरों और वस्तुओं का प्रयोग करते हैं।

हाथों के संकेत और चेहरे के हाव-भाव भी विज़ुअल सपोर्ट्स के उदाहरण हैं।

विज़ुअल सपोर्ट्स का प्रयोग कैसे करें

विज़ुअल सपोर्ट्स का प्रयोग करते समय बोले जाने वाले शब्दों का प्रयोग कम करें।

विज़ुअल सपोर्ट्स का प्रयोग घर और विद्यालय, दोनों जगहों पर करें और लगातार एक ही तरीके से करें।

विज़ुअल सपोर्ट्स को प्रयोग किए जाने के लिए बच्चों/युवाओं को उपलब्ध करवाएँ और उन्हें तैयार रखें और समय समय पर उनकी उपयोगिता पर विचार करें।

बच्चों/युवाओं को उनका प्रयोग करना सिखाएँ। यदि आप आश्वस्त नहीं हैं कि यह कैसे किया जाए तो अपने बच्चे के अध्यापक या चिकित्सक से बातचीत करके उनके सुझाव लें। .

विज़ुअल सपोर्ट्स का प्रयोग क्यों करें?

आप और आपके बच्चे को परस्पर बातचीत करने में विज़ुअल सपोर्ट्स द्वारा सहायता मिल सकती है।

यदि बच्चे किसी चीज़ को देखते हैं और साथ ही उसके बारे में सुनते हैं तो उन्हें उसे समझने और सीखने में आसानी होती है।

विज़ुअल सपोर्ट्स याद दिलाने वाली स्थायी चीज़ें हैं और लोगों को आत्मनिर्भर बनने में सहायता कर सकती हैं।

इनसे हताशा कम हो सकती है और लोगों को बातचीत करने, और अपनी बात कहने, और चीज़ों का चुनाव करने के लिए बढ़ावा मिलता है।

इनसे विचारों, प्रश्नों और निर्देशों को एक-दूसरे को बता पाने में सहायता मिलती है।

शोध से पता चलता है कि विज़ुअल सपोर्ट्स का प्रयोग बच्चों को बातचीत करना सीखने से **नहीं** रोकता है। यह देखा गया है कि ये बोल सकने और भाषा का विकास कर पाने को **बढ़ावा देती** हैं।

कोई भी व्यक्ति विज़ुअल सपोर्ट्स को तैयार करके उनका इस्तेमाल कर सकता है। आपके लिए कुछ सुझाव इस प्रकार हैं:

आपके बच्चे को क्या करना चाहिए, यह दिखाने के लिए वस्तुओं का इस्तेमाल करें, उदाहरण के लिए, अपने बच्चे को यह बताने के लिए कि आगे क्या होने वाला है

शारीरिक गतिविधियों, चेहरे के हाव-भावों, आवाज़ में परिवर्तन और हाथों के संकेतों का प्रयोग करें

स्थानों और लोगों की तस्वीरें लेकर उनका इस्तेमाल करें

positivepartnerships.com.au पर जाएँ

The Positive Partnerships initiative is funded by the Australian Government Department of Education through the Helping Children with Autism Package. The views expressed in this publication do not necessarily represent the views of the Australian Government or the Australian Government Department of Education.

देखी जा सकने वाली चीज़ों की सहायता लेना

शब्द और उनसे संबंधित तस्वीरों का प्रयोग साथ-साथ करें और अपने बच्चे को उनका चुनाव करने के लिए प्रोत्साहित करें

जाँच-सूचियाँ बनाएँ

इंटरनेट पर चित्र ढूँढें

रोज़मर्रा की गतिविधियों और आदेशों के लिए अलग-अलग रंगों का प्रयोग करें

कार्टून पुस्तिका के लिए कोई कहानी सोचें: रेखाकृतियाँ बना कर कहानी सुनाएँ और व्यक्तियों द्वारा कही गई बातें गोलों में लिखें

फ़ोन पर उपलब्ध ऐप्स का इस्तेमाल करें, जैसे कि समय के अलार्म, डायरियाँ

सामाजिक कहानियाँ – अपने बच्चे या उसकी पसंद के किरदार के बारे में कोई कहानी सोचें और उसका प्रयोग अपने बच्चे को किसी नई गतिविधि या योजना के लिए तैयार करने में करें।

यदि आप अपने बच्चे के विकास को लेकर चिंतित हैं तो अपने डॉक्टर या जो पेशेवर व्यक्ति उसकी सहायता कर रहा है, उससे मिलें। किसी से बातचीत करना इसे 'समय के भरोसे छोड़ने' से अच्छा है।

positive partnerships
Working together to support school-aged students on the autism spectrum

Using Visual Supports

What are Visual Supports?

Visual supports are all around us and we use them every day. These include road signs, restaurant signs and menus, calendars, grocery lists etc.

We also use words, signing, symbols, photos and objects to understand the world we live in.

Gestures and facial expressions are also examples of visual supports.

How to use visual supports

Try to reduce the amount of spoken words you use when sharing them.

Use visuals across home and school and be consistent.

Keep them in place and available to young people and review regularly.

Teach young people how to use them. If you're unsure about how to do this, chat to your child's teacher or therapist for some ideas.

Why use visual supports?

Visual supports can help you to communicate with your child and help your child to communicate with you.

If children hear and see things at the same time it can support them to understand and learn.

Visual supports are a permanent reminder and can support people to be independent.

They can reduce frustration and encourage individuals to communicate and express themselves and make choices.

They support ideas, questions and instructions that are shared verbally and allow for processing time.

Research shows that the use of visual supports **does not** stop children from learning to speak. It has been shown **they encourage** the development of speech and language

Anyone can make and use visual supports. Here are some ideas for you:

use objects to show your child what to do e.g. to let your child know what's happening next

use body movements, facial expressions, voice range and gestures

take photos of places and people

Go to **positivepartnerships.com.au**

The Positive Partnerships initiative is funded by the Australian Government Department of Education through the Helping Children with Autism Package. The views expressed in this publication do not necessarily represent the views of the Australian Government or the Australian Government Department of Education.

Using Visual Supports

put words with pictures and encourage your child to make choices

make checklists

find images on the internet

colour code routines and instructions

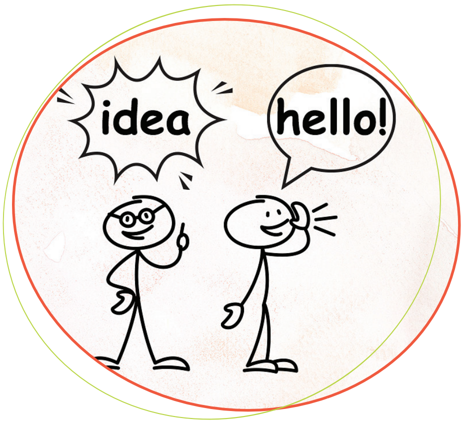

make a comic book script: draw and tell the story as you go, using stick figures and speech bubbles

apps on phones, i.e. timers, schedules

social stories – make one using your child or your child's favourite character to prepare your child for a new activity or a plan

If you are concerned about your child's development, see your doctor or a professional that helps your child. It is better to talk to someone than to 'wait and see'.